दैनिक भास्कर
इंदौर 19-04-2023

व्यक्ति के जीवन में संतुलन होना चाहिए, अति को ही विष कहते हैं : वंदना श्रीजी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

व्यक्ति के जीवन में संतुलन होना चाहिए, अति को ही विष कहते हैं। किसी भी चीज की अति अच्छी नहीं होती है। अहंकार कभी नहीं करना चाहिए। जीवन में सत्कर्म करें, सत्कर्म नहीं होंगे तो परमात्मा का आशीर्वाद नहीं मिलेगा। व्यक्ति के कर्म ही उसको श्रेष्ठ बनाते हैं।

यह बात ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसोर्ट में आयोजित भागवत महापुराण कथा के आखिरी दिन कही। आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कथा में कृष्ण सुदामा चरित्र का वर्णन किया गया। व्यासपीठ का पूजन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक आकाश विजयवर्गीय, खातेगांव विधायक आशीष शर्मा, विष्णु बिंदल ने किया।